ज्ञान शांति मैत्री

आमंत्रण

राष्ट्रीय संविमर्श

(16 नववंबर 2017)

पंडित दीनदयाल उपाध्याय की विचार दृष्टि : संकल्प से सिद्धि

प्रख्यात सामाजिक चिंतक एवं राजनीतिक दार्शनिक पं॰ दीनदयाल उपाध्याय जी की जन्म शताब्दी वर्ष मनाने के क्रम में उनके अकादमिक एवं सामाजिक योगदान तथा बहुआयामी व्यक्तित्व व कृतित्व पर चर्चा करने हेतु दिनांक 16 नवंबर, 2017 को एक राष्ट्रीय संविमर्श आयोजित किया जा रहा है। पं॰ दीनदयाल उपाध्याय जी ने राजनीति, समाज, दर्शन, अर्थव्यवस्था एवं प्राचीन भारतीय संस्कृति व परम्पराओं पर गंभीर और प्रासंगिक विचार दिये हैं। भारतीय संस्कृति सकारात्मकता और स्वीकार्यता की संस्कृति रही है, हमारे सभी कर्म सकारात्मक होने चाहिए, यही पं॰ दीनदयाल उपाध्याय के जीवन का केंद्रीय संदेश था। उनका दृढ़ विचार था कि मूल्य आधारित जीवन ही व्यक्ति, समाज तथा राष्ट्र के लिए सार्थक व उपयोगी हो सकता है। पंडित जी का चिंतन मौलिक है। आज राष्ट्र के सामने जो भी आर्थिक, सामाजिक व राजनैतिक चुनौतियाँ हैं यदि उनका विश्लेषण करें तो पंडित जी के चिंतन में उनका समाधान दिखाई देता हैं। यह सुखद आश्चर्य है कि पंडित जी ने आज की प्रमुख चुनौतियों को रेखांकित करने का काम बहुत पहले कर दिया था। हम उनके जीवन व आदर्श से हम प्रेरणा लेकर 'संकल्प से सिद्धि' के लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं।

आयोजन की सफलता के लिए इस अवसर पर आपकी उपस्थिति सादर प्रार्थनीय है।

आयोजन : दिनांक : 16 नवंबर 2107, समय : प्रातः 10:30

स्थान : गालिब सभागार

टिप्पणी : वैचारिक सत्रों का विवरण संलग्न है।

स्वागताध्यक्ष

प्रो. अनिल कुमार राय, अधिष्ठाता, विद्यार्थी कल्याण

आयोजक

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

राष्ट्रीय संविमर्श

(16 नवंबर 2017)

पंडित दीनदयाल उपाध्याय की विचार दृष्टि : संकल्प से सिद्धि

उद्घाटन सत्र, पूर्वाह्न 10: 30 से अपराह्न 12:30 तक

विषय– पं॰ दीनदयाल उपाध्याय का एकात्म मानव दर्शन: प्रासंगिकता एवं व्यवहार्यता

अध्यक्षता : प्रो. गिरीश्वर मिश्र
कुलपति, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

मुख्य अतिथि : श्रीयुत जे. नंदकुमार, सामाजिक–सांस्कृतिक चिंतक
एवं अखिल भारतीय संयोजक, प्रज्ञा प्रवाह, नई दिल्ली

विशिष्ट अतिथि : डॉ. कुमार शास्त्री, साहित्यकार एवं शिक्षाविद्, नागपुर

स्वागताध्यक्ष : प्रो. अनिल कुमार राय, अध्यक्ष, जनसंचार विभाग
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा, महाराष्ट्र

द्वितीय/मंथन सत्र, अपराह्न 12: 45 से अपराह्न 02: 00 तक

विषय– पं॰ दीनदयाल उपाध्याय का राष्ट्र–दर्शन एवं विश्व दृष्टि

वक्तागण : श्रीयुत सुधीर पाठक, वरिष्ठ पत्रकार एवं सामाजिक–सांस्कृतिक चिंतक, नागपुर
: प्रो. अरुण कुमार भगत
माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, नोएडा कैंपस

संयोजन : देवेंद्रनाथ त्रिपाठी, शोधार्थी, जनसंचार विभाग, म. गां. अं. हिं. वि. वर्धा

तृतीय/विमर्श सत्र, अपराह्न 03: 00 से अपराह्न 04: 15 तक

विषय– सांस्कृतिक दर्शन के प्रणेता पं॰ दीनदयाल उपाध्याय

वक्तागण : श्रीयुत आशुतोष वसंतराव अडोणी, साहित्यकार एवं विचारक, नागपुर
: प्रो. वृषभ प्रसाद जैन, विचारक एवं भाषाविद्, म. गां. अं. हिं. वि. वर्धा

संयोजन : डॉ. मिथिलेश तिवारी, म. गां. अं. हिं. वि. वर्धा

चर्चा/समाहार सत्र, सायं 04:30 से 06:00 तक

विषय– पं॰ दीनदयाल उपाध्याय के सपनों का भारत

अध्यक्षता : प्रो. हनुमान प्रसाद शुक्ल, संकायध्यक्ष, भाषा विद्यापीठ, म.गां.अं.हिं.वि. वर्धा

वक्तागण : प्रो. चंद्रकांत रागीट, सामाजिक चिंतक एवं शिक्षाविद्, नागपुर
: प्रो. श्रीकांत सिंह
माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल
: डॉ. कल्पना जी पाण्डेय, सास्कृतिक चिंतक एवं शिक्षाविद्, नागपुर

संयोजन : डॉ. अख्तर आलम, म. गां. अं. हिं. वि. वर्धा